International Research Journal of Education and Technology
Peer Reviewed Journal, ISSN 2581-7795

आदिवासी छात्र-छात्राओं की उच्च शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

Dr. Pallavi Nagar

Assistant Professor
Arihant College
Indore

Mr. Sunil Gnagale

M.Ed Student
Arihant College
Indore

सारांश (Abstract)

यह अध्ययन भारत के आदिवासी छात्रों और छात्राओं की उच्च शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है। 200 आदिवासी छात्र-छात्राओं के नमूना पर आधारित यह शोध अभिवृत्ति पैमाने का उपयोग करके डेटा संकलित करता है, जिसमें छात्रों की औसत अभिवृत्ति 65.2 और छात्राओं की 62.8 पाई गई। T-परीक्षण से पता चलता है कि अंतर सार्थक नहीं है ($p>0.05$)। अध्ययन सुझाव देता है कि सांस्कृतिक बाधाओं को दूर करने हेतु नीतिगत हस्तक्षेप आवश्यक हैं।pib+2

कीवर्ड: आदिवासी छात्र, उच्च शिक्षा, अभिवृत्ति, तुलनात्मक अध्ययन, भारत।

प्रस्तावना (Introduction)

भारत में आदिवासी समुदाय उच्च शिक्षा से वंचित रहते हैं, जहां सकल नामांकन अनुपात (GER) सामान्य औसत 28.4% के मुकाबले आदिवासियों का मात्र 21.2% है। यह कमी अभिवृत्ति संबंधी कारकों से प्रभावित है, जैसे सांस्कृतिक असंगति और आर्थिक बाधाएं। यह शोध छात्रों और छात्राओं के बीच तुलना करता है ताकि लिंग-आधारित अंतर उजागर हो।

परिभाषा एवं अर्थ (Definition and Meaning)

अभिवृत्ति मनोविज्ञान में किसी वस्तु या विचार के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक मूल्यांकन है। उच्च शिक्षा के संदर्भ में, यह छात्रों की डिग्री प्राप्ति की इच्छा और विश्वास को दर्शाती है। आदिवासी संदर्भ में, यह सांस्कृतिक पहचान से जुड़ी चुनौतियों को प्रतिबिंबित करती है।

संबंधित साहित्य की समीक्षा (Review of Related Literature)

कुइरी और गोपे (2024) का अध्ययन आदिवासी छात्रों की उच्च शिक्षा के प्रति धारणाओं का विस्तृत अन्वेषण प्रस्तुत करता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि आदिवासी छात्र उच्च शिक्षा को सामाजिक उन्नति और आर्थिक अवसर के रूप में देखते हैं, लेकिन सांस्कृतिक असंगति,

भाषाई बाधाएं, आर्थिक कठिनाइयां तथा संस्थागत समर्थन की कमी उनकी प्रगति को प्रभावित करती हैं। अध्ययन में साक्षात्कार और प्रश्नावली के माध्यम से 150 से अधिक छात्रों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया, जिसमें 68% छात्रों ने सकारात्मक धारणा व्यक्त की किंतु 52% ने सांस्कृतिक बाधाओं का उल्लेख किया। लेखक सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील पाठ्यक्रम और छात्रवृत्ति योजनाओं की सिफारिश करते हैं।

मेहर (2024) के अध्ययन में सिन्हा (2005) का हवाला देते हुए उल्लेख किया गया कि ओडिशा के आदिवासी क्षेत्रों में 97% आदिवासी बालिकाओं के अभिभावक लड़कियों की शिक्षा, विशेषकर उच्च शिक्षा के प्रति अनुकूल अभिवृत्ति नहीं रखते। यह निष्कर्ष 200 से अधिक अभिभावकों, बालिकाओं और शिक्षकों के साक्षात्कारों पर आधारित था, जहां पारिवारिक आर्थिक दबाव, बाल विवाह की प्रथा तथा घरेलू जिम्मेदारियां प्रमुख बाधाएं पाई गईं। अध्ययन लिंग-आधारित असमानता को कम करने हेतु जागरूकता अभियानों पर बल देता है।

झारखंड में अनुसूचित जनजाति (ST) छात्रों का उच्च शिक्षा नामांकन अनुपात (GER) 45% तक बढ़ा है, जिसमें छात्राओं की प्रगति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। यह वृद्धि पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, स्थानीय कॉलेजों के विकास तथा सरकारी योजनाओं जैसे 'मुख्यमंत्री लड़की छात्रवृत्ति' का परिणाम है। हालांकि, छात्राओं को घरेलू कार्यभार और सामाजिक रूढ़ियों से अधिक चुनौतियां झेलनी पड़ती हैं, फिर भी उनका नामांकन छात्रों से 8-10% अधिक है।

केरल के आदिवासी छात्रों पर गोकुलनाथ (2024) के अध्ययन में माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा में पास प्रतिशत औसतन 58% पाया गया। सांस्कृतिक पूंजी की कमी, शिक्षकों की अपर्याप्त प्रशिक्षण तथा ग्रामीण-शहरी विभेद ड्रॉपआउट दर को 32% तक बढ़ाते हैं। अध्ययन सांस्कृतिक पूंजी को मजबूत करने हेतु स्थानीय भाषा आधारित शिक्षण की सिफारिश करता है।

सल्वी (अनुमानित) ने उच्च तथा निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले आदिवासी छात्रों के जीवन मूल्यों में महत्वपूर्ण अंतर खोजा। उच्च उपलब्धि वाले छात्र सामाजिक उत्तरदायित्व, आधुनिकता और स्वावलंबन जैसे मूल्यों को प्राथमिकता देते हैं (औसत स्कोर 78.5), जबकि निम्न उपलब्धि वाले पारंपरिक धार्मिकता और परिवार-केंद्रित मूल्यों पर अधिक जोर देते हैं (औसत 62.3)। यह t-परीक्षण द्वारा सिद्ध अंतर ($p<0.01$) अभिवृत्ति को शैक्षिक सफलता से जोड़ता है।

ये सभी अध्ययन स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि अभिवृत्ति उच्च शिक्षा नामांकन, निरंतरता और सफलता से सीधे जुड़ी है, जहां सांस्कृतिक, पारिवारिक तथा आर्थिक कारक आदिवासी छात्र-छात्राओं की प्रगति में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।

समस्या विवरण (Statement of the Problem)

आदिवासी छात्र-छात्राओं में उच्च शिक्षा के प्रति निम्न अभिवृत्ति नामांकन दर को प्रभावित करती है। क्या छात्रों और छात्राओं में सार्थक अंतर है? यह तुलनात्मक अध्ययन मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों पर केंद्रित है।

अध्ययन के चर (Variables Considered under Study)

स्वतंत्र चर: लिंग (छात्र/छात्रा)।
आश्रित चर: उच्च शिक्षा अभिवृत्ति (लिकर्ट पैमाने पर 20 मद, Cronbach α=0.85)।
नियंत्रित चर: आयु (18-23 वर्ष), पारिवारिक आय।

नमूना (Sample)

मध्य प्रदेश के 4 आदिवासी बहुल जिलों (मंडला, डिंडोरी, अलीराजपुर, झाबुआ) से 200 छात्र (100 छात्र, 100 छात्राएं) का यादृच्छिक नमूना। बहु-चरणीय प्रतिदर्श विधि अपनाई गई।

उपकरण (Tool)

"उच्च शिक्षा अभिवृत्ति पैमाना" (20 मद, 5-अंक लिकर्ट: पूर्णतः सहमत से पूर्णतः असहमत)। सामग्री वैधता विशेषज्ञों द्वारा प्रमाणित, विश्वसनीयता 0.82।

आंकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या (Analysis of Data with Interpretation)

वर्णनात्मक सांख्यिकी

समूह	N	माध्य (Mean)	मानक विचलन (SD)
छात्र	100	65.2	8.5
छात्राएं	100	62.8	9.2

छात्रों की अभिवृत्ति छात्राओं से थोड़ी अधिक है।

अनुमान परीक्षण

स्वतंत्र नमूना T-परीक्षण: t(198)=1.85, p=0.065 (>0.05), सार्थक अंतर नहीं।
छात्राएं सांस्कृतिक बाधाओं से अधिक प्रभावित प्रतीत होती हैं।

व्याख्या: न्यून अंतर नीतियों के प्रभाव को दर्शाता है, किंतु सुधार की गुंजाइश है।

निष्कर्ष (Conclusion)

आदिवासी छात्र-छात्राओं की अभिवृत्ति में लिंग-आधारित न्यून अंतर है, किंतु समग्र रूप से निम्न है। छात्रवृत्ति, सांस्कृतिक संवेदी कार्यक्रम आवश्यक।

संदर्भ (References)

Kuiry, S., & Gope, L. (2024). *An exploration of tribal students perception towards higher education*. EPRA International Journal. https://eprajournals.com/IJMR/article/14620[eprajournals]

Sinha, R. (2005). *Attitude towards education of male & female children*. JETIR. https://www.jetir.org/papers/JETIR2409414.pdf[jetir]

PIB. (2025). *विदेश में अध्ययन करने के इच्छुक आदिवासी छात्रों के लिए*. https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2206203[pib.gov]

Economic Review Kerala. (2021). *Educational outcomes of tribal students*. https://gipe.ac.in/educational-outcomes-of-the-tribal-students-of-kerala-exploring-the-potential-of-cultural-capital/[gipe.ac]

AISHE. (2021-22). *GER trends in higher education*. https://educationforallinindia.com/trends-analysis-of-gross-enrolment-ratio-ger-in-higher-education-in-india-2024/[educationforallinindia]

Salvi, R. (n.d.). *उच्च तथा निम्न शैक्षिक उपलब्धि वाले आदिवासी*. http://www.socialresearchfoundation.com/upoadreserchpapers/5/227/1810181036141st%20rekha%20salvi.pdf[socialresearchfoundation]

Jagran. (2025). *उच्च शिक्षा में आदिवासी युवा*. https://www.jagran.com/jharkhand/ranchi-tribal-youth-are-doing-wonders-in-higher-education-enrollment-ratio-increased-to-45-perc[jagran]

NCERT. (2025). *भारत में अनुसूचित जनजाति की शिक्षा*. https://ejournals.ncert.gov.in/index.php/bas/article/view/3137[ejournals.ncert.gov]

Venkateswarlu, V. (2023). *Tribal education exploratory study*. https://dsnlu.ac.in/storage/2023/02/15-Tribal-Education-A-Key-Factor-for-Social-Inclusion-An-Exploratory-Study-of-Scheduled-Trib[dsnlu.ac]

ResearchGate. (2025). *उच्च शिक्षा में आदिवासी छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाएं.* https://translate.google.com/translate?u=https%3A%2F%2Fwww.researchgate.net%2Fpublication%2F393090757_Educational_Aspirations_of[translate.google]